Byepasses on National Highway 47

939. SHRI **V.** GOPALSAMY: Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state:

(a) the names- of the byepasses which have been completed till date on the National Highway 47;

(b) the names of the byepasses which are nearing completion; and

(c) the number of byepasses likely to be taken up during the Seventh Plan period together with their names and by when they will be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) Byepasses to the following towns on National Highway 47 have been completed and opened *to* traffic:—

(i) Bhavani Kumarapalayam (ii) Palghat (hi) Koratty (iv) Alwaye & (v) Shertlai

(b) Cochin Byepass.

(c) The following byepasses have been included in the Seventh Five Year Plan:

Coimbatore, Alleppy, Quillon and Trivandrum.

It is too early to indicate the date by which these byepasses are going to be completed.

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद द्वारा कराई जा रही हिन्दी परीक्षाओं को मान्यता प्रदान करना

940. श्री सूरज प्रसाद :
श्री राम नरेश कुशवाहा :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री 18 दिसम्बर, 1985 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 428 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ हिन्दी संस्थान हिन्दी के अतिरिक्त अन्य ऐसे विषयों में भी परीक्षाएं लेते हैं जोकि विभिन्न डिग्रियों हेतु नियमित स्कूलों तथा कालेजों में पढ़ाये जाते हैं ;

(ख) क्या हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद द्वारा ली जा रही ऐसी परीक्षाओं को सरकार ने मान्यता प्रदान कर दी है ; और

(ग) यदि हां, तो इन परीक्षाओं का स्तर केन्द्र तथा राज्य सरकारों के अधीन विभिन्न बोर्डों तथा कालेजों द्वारा ली जा रही परीक्षाओं क: तुलना में क्या है ?

शिक्षा तथा संस्कृति विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) देश के विभिन्न भागों में कई स्वैच्छिक हिन्दी संगठन काफी समय से हिन्दी परीक्षाएं आयोजित कर रहे हैं । हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद संहित, ये संगठन हिन्दी के अतिरिक्त अन्य विषयों में भी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं तथा परीक्षाएं आयोजित कर रहे हैं । इस दृष्टि से कि जिन छात्रों ने इन संगठनों की परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं, वे सरकारी सेवाओं में उस रोजगार के लिए पात्र बनें, जहां हिन्दी अर्हताएं निर्धारित की गई हैं, भारत सरकार ने हिन्दी शिक्षण समिति की सिफारिश पर तथा संघ लोक सेवा आयोग की सहमति से इन संगठनों की विभिन्न परीक्षाओं को मान्यता प्रदान की है । वे छात्र जिन्होंने ये परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं; अगले सत्र उच्च अध्ययन के लिए स्वतः ही तब तक पात्र नहीं होते जब तक व उनकी पात्रता की शर्तों को पूरा न करते हों । इन परीक्षाओं के लिए मान्यता केवल हिन्दी परीक्षाओं के सम्बन्ध में ही प्रदान की गई है । इस मान्यता को उन केन्द्रों अथवा विश्वविद्यालयों की पूर्ण प्रमाण-पत्र/डिग्री परीक्षाओं के समकक्ष नहीं समझा जाएगा, जिनके लिए उदाहरणार्थ प्रदान किये जाने वाले विषयों/और/अथवा विषय समूहों के रूप में विशिष्ट पात्रता मानदण्ड निर्धारित किये गये हैं ।